

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....रुक्मणी सैनी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष, प्रथम सत्र, द्वितीय सत्र.....

Subject:.....हिंदी, भाषा विज्ञान.....

Session:.....2018- 21.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|--|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार |
| | 2 | भाषा संरक्षण और भाषिक प्रकार्य भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति |
| | 3 | भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं वर्णनात्मक ऐतिहासिक तुलनात्मक |
| | 4 | साहित्य में भाषा अंगों की उपयोगिता स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएं |
| September | 1 | वाग्यंत्र और उनके कार्य स्वन की अवधारणा और स्वन का वर्गीकरण |
| | 2 | स्वन गुण स्वनिक परिवर्तन स्वर्णिम विज्ञान का स्वरूप |
| | 3 | स्वनिम की अवधारणा स्वनिम के भेद स्वनिम विश्लेषण |
| | 4 | रूप विज्ञान रूप प्रक्रिया स्वरूप और शाखाएं |
| October | 1 | मुक्त आबद्धार्थदर्शी और संबद्धदर्शी, संबद्धदर्शी रूपम के भेद और प्रकार्य |
| | 2 | वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान वाक्य की अवधारणा |
| | 3 | अभिहितान्वाद और अन्विताभिधानवाद |
| | 4 | वाक्य के भेद वाक्य विश्लेषण निकटस्थ अवयव विश्लेषण |
| November | 1 | गहन संरचना बाह्य संरचना अर्थ की अवधारणा |
| | 2 | शब्द अर्थ का संबंध पर्यायता अनेकार्थता |
| | 3 | विलोमता और परिवर्तन कारण एवं दिशाएं |
| | 4 | रूपम की अवधारणा और भेद |
| December | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं वैदिक तथा लौकिक संस्कृत विशेषताएं |
| February | 1 | मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा पाली प्राकृत शौरसेनी |
| | 2 | अर्द्ध मागधी, मागधीअपभ्रंश की विशेषताएं |
| | 3 | आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण |
| | 4 | हिंदी की उप भाषाएं पश्चिम हिंदी पूर्वी हिंदी |
| March | 1 | राजस्थानी बिहारी और उनकी बोलियां |
| | 2 | खड़ी बोली ब्रज और अवधि की विशेषताएं |



| | | |
|-------|---|--|
| | 3 | हिंदी की स्वनिम व्यवस्था खंड्य एवं खंडयेतर |
| | 4 | हिंदी शब्द रचना उपसर्ग प्रत्यय समास रूप रचना |
| April | 1 | लिंग वचन कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा औ |
| | 2 | सर्वनाम विशेषण और क्रिया रूप हिंदी वाक्य रचना |
| | 3 | पदक्रम और अन्विति ,देवनागरी लिपि |
| | 4 | देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीकरण हिंदी के विविध रूप |
| May | 1 | संपर्क भाषा राष्ट्रभाषा राजभाषा माध्यम भाषा संचार भाषा |
| | 2 | हिंदी की संवैधानिक स्थिति हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएं |
| | 3 | आंकड़ा संसाधन शब्द संसाधन वर्तनी शोध मशीनी अनुवाद |
| | 4 | हिंदी भाषा शिक्षण स्वरूप उद्देश्य हिंदी उच्चारण वर्तनी व्याकरण का शिक्षण |

हस्ताक्षर रुक्मणी सैनी



Edit with WPS Office

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....सुदेश कुमारी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी प्रथम वर्ष.....

Subject:.....प्रेमचंद पेपर -5 प्रथम एवं द्वितीय सत्र.....

Session:.....2018-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|--|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | मुंशी प्रेमचंद जी का जीवन परिचय |
| | 2 | मुंशी प्रेमचंद जी का उपन्यास गबन की कथावस्तु का वर्णन |
| | 3 | गबन नामक उपन्यास की कथावस्तु का वर्णन करते हुए व्याख्या विवेचन |
| | 4 | प्रेमचंद जी के प्रमुख उपन्यास सेवा सदन की कथावस्तु का वर्णन |
| September | 1 | प्रेमचंद जी के उपन्यास सेवा सदन की व्याख्या |
| | 2 | गबन उपन्यास के प्रमुख पात्रों का वर्णन |
| | 3 | गबन उपन्यास के प्रमुख एवं गौण पात्रों का वर्णन |
| | 4 | सेवा सदन में चित्रित समस्या एवं समाधान |
| October | 1 | सेवा सदन की प्रासंगिकता एवं उद्देश्य |
| | 2 | कर्बला नाटक की कथावस्तु एवं प्रासंगिकता |
| | 3 | कर्बला नाटक के प्रमुख पात्रों का वर्णन |
| | 4 | कर्बला नाटक का उद्देश्य एवं रंगमंचीयता |
| November | 1 | प्रेमचंद का जीवन दर्शन |
| | 2 | हिंदी पत्रकारिता के विकास में प्रेमचंद जी का योगदान |
| | 3 | प्रेमचंद युगीन परिवेश |
| | 4 | आदर्श मुखी यथार्थवाद और प्रेमचंद |
| December | 1 | प्रेमचंद की नारी भावना व संपादन कला |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | प्रेमचंद के श्रेष्ठ संबंधों की व्याख्या एवं आलोचना बेटा |
| February | 1 | कर्मभूमि उपन्यास की कथावस्तु का परिचय |
| | 2 | कर्मभूमि की व्याख्या व आलोचना |
| | 3 | कर्मभूमि उपन्यास की नायक व नायिका का चरित्र चित्रण |
| | 4 | प्रेमचंद की उपन्यास कला |
| March | 1 | प्रेमचंद की कहानियों का कक्षा व कहानी का शिल्प विधान |
| | 2 | कहानियों का शिल्प व प्रेमचंद की कहानी कला |
| | 3 | प्रेमचंद के निबंधों का कथ्य व शिल्प |



| | | |
|-------|---|--|
| | 4 | प्रेमचंद की निबंध कला |
| April | 1 | प्रेमचंद की भाषा शैली |
| | 2 | वर्तमान संदर्भ में प्रेमचंद साहित्य की प्रासंग |
| | 3 | गजानन माधव मुक्तिबोध का जीवन परिचय ,रचनाएं व काव्यगत विशेषताएं |
| | 4 | प्रेमचंद की कहानियों का वर्णन एवं व्याख्या |
| May | 1 | प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंधों का वर्णन |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

हस्ताक्षर सुदेश बनवाला



Edit with WPS Office

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....सुदेश कुमारी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी प्रथम वर्ष.....

Subject:.....आधुनिक हिंदी काव्य पेपर -4 प्रथम एवं द्वितीय सत्र.....

Session:.....2018-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|---|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | जयशंकर का जीवन परिचय रचनाएं एवं काव्यगत विशेषताएं |
| | 2 | जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटक कामायनी की कथावस्तु का परिचय |
| | 3 | जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित कामायनी की व्याख्या |
| | 4 | सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन परिचय , रचनाएं व काव्यगत विशेषताएं |
| September | 1 | सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित कविता राम की शक्ति पूजा की व्याख्या |
| | 2 | सूर्यकांत त्रिपाठी निराला द्वारा रचित कविता सरोज स्मृति की व्याख्या |
| | 3 | राम की शक्ति पूजा व सरोज स्मृति कविता की आलोचनात्मक प्रश्न |
| | 4 | सुमित्रानंदन पंत जी का जीवन दर्शन |
| October | 1 | सुमित्रानंदन पंत की काव्य यात्रा के विभिन्न सोपान |
| | 2 | पंत का प्रकृति चित्रण |
| | 3 | सुमित्रानंदन पंत जी की कल्पना शीलता |
| | 4 | सुमित्रानंदन पंत जी की सुंदरी चेतना |
| November | 1 | सुमित्रानंदन पंत की काव्य भाषा |
| | 2 | कामायनी नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण |
| | 3 | तत्वों के आधार पर कामायनी नाटक की समीक्षा |
| | 4 | कामायनी नाटक का प्रमुख उद्देश्य व भाषा शैली |
| December | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | गजानन माधव मुक्तिबोध द्वारा रचित कविता अंधेरे में की कथावस्तु |
| February | 1 | गजानन माधव मुक्तिबोध की कविता अंधेरे में की व्याख्या |
| | 2 | मुक्तिबोध द्वारा रचित कविता अंधेरे में के आलोचनात्मक प्रश्न |
| | 3 | रामधारी सिंह दिनकर की कविता वह कृतियों का परिचय |
| | 4 | सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय जी का जीवन परिचय |
| March | 1 | नरेश मेहता का जीवन परिचय व रचनाएं |
| | 2 | भवानी प्रसाद मिश्रा जी का जीवन परिचय व उनकी काव्यगत विशेषताएं |
| | 3 | धर्मवीर भारती जी का जीवन परिचय व काव्यगत विशेषताएं |



| | | |
|-------|---|--|
| | 4 | रघुवीर सहाय का जीवन परिचय व काव्यगत विशेषताएं |
| April | 1 | दुष्यंत कुमार के व्यक्तित्व व कृतित्व |
| | 2 | पथ के साथी महादेवी वर्मा द्वारा रचित संस्मरण की कथावस्तु |
| | 3 | पथके साथी महादेवी वर्मा द्वारा लिखे गए संस्मरण की कथावस्तु |
| | 4 | गजानन माधव मुक्तिबोध का जीवन परिचय ,रचनाएं व काव्यगत विशेषताएं |
| May | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

Signature



Edit with WPS Office

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....सुदेश कुमारी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी प्रथम वर्ष.....

Subject:.....हिंदी साहित्य का इतिहास प्रथम एवं द्वितीय सत्र.....

Session:.....2018-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|--|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन परंपरा आधारभूत सामग्री का प्रश्न |
| | 2 | हिंदी साहित्य के इतिहास की पूर्ण लेखन समस्या , काल विभाजन व नामकरण |
| | 3 | आदिकाल की परिस्थितियों आदिकाल का परिचय |
| | 4 | रासो काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियां |
| September | 1 | पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता व काव्य सौंदर्य |
| | 2 | सिद्ध साहित्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियां ,नाथ साहित्य ,जैन साहित्य |
| | 3 | अमीर खुसरो की हिंदी कविता व विद्यापति की पदावली |
| | 4 | आदिकालीन गद्य साहित्य में आदिकाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण |
| October | 1 | भक्ति आंदोलन की उदय की सामाजिक सांस्कृतिक कारण |
| | 2 | भक्ति आंदोलन की प्रवृत्तियां व परिस्थितियों का विवेचन |
| | 3 | हिंदी संत काव्य की प्रवृत्तियां व परिचय व वैचारिक आधार |
| | 4 | संतों में कबीर नानक दादू रविदास का परिचय व विश्लेषण |
| November | 1 | हिंदी सूफी काव्य का वैचारिक आधार |
| | 2 | सूफी कवियों में प्रमुख मुलाकात मंजन जायसी का जीवन परिचय |
| | 3 | सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति और लोक जीवन का परिचय |
| | 4 | राम काव्य की परंपरा में प्रवृत्तियां तुलसीदास जी का स्थान |
| December | 1 | राम काव्य परंपरा में तुलसीदास जी का काव्य रूप और भाषा शैली |
| | 2 | कृष्ण काव्य में सूरदास जी का स्थान वभाषा शैली व काव्यगत विशेषता |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | रीतिकाल का नामकरण रीतिकाल के कवियों का परिचय |
| | 4 | रीतिकाल का मूल स्रोत लक्षण ग्रंथ परंपरा का वर्णन |
| February | 1 | रीति मुक्त प्तिद्ध रीतिमुक्त रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तिया व विश्लेषण |
| | 2 | आधुनिक काल और भारतीय नवजागरण के कवियों का परिचय |
| | 3 | छायावाद प्रयोगवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां विश्लेषण |
| | 4 | नई कविता के प्रमुख कवियों का योगदान |
| March | 1 | प्रयोगवादी काव्य धारा व राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों का विवेचन में विश्लेषण |
| | 2 | आधुनिकता व समकालीनता के कवियों का परिचय |
| | 3 | भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्य के गद्य कारों का परिचय व विश्लेषण |



| | | |
|-------|---|---|
| | 4 | हिंदी पत्रकारिता का उद्भव व विकास |
| April | 1 | हिंदी नाटक का उद्भव विकास विश्लेषण व मूल्यांकन |
| | 2 | हिंदी एकांकी का उद्भव व विकास |
| | 3 | हिंदी उपन्यास में प्रेमचंद पूर्व परवतीयुग का परिचय |
| | 4 | हिंदी निबंध का उद्भव व विकास |
| May | 1 | हिंदी आलोचना का उद्भव व विकास |
| | 2 | हिंदी डायरी का उद्भव व विकास व रिपोर्ताज साहित्य का परिचय |
| | 3 | उर्दू साहित्य का परिचय विश्लेषण |
| | 4 | |

हस्ताक्षर सुदेश बनवाला



Edit with WPS Office

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....डॉ. शालू गर्ग.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी तृतीय सत्र एवं चतुर्थ सत्र.....

Subject:.....प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य.....

Session:.....2018 -2021

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|---|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | |
| | 2 | पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को अवगत करवाना व विद्यापति का परिचय |
| | 3 | वंदना भाग की व्याख्या, नख शिख भाग की व्याख्या |
| | 4 | नख शिख भाग की व्याख्या व राधा कृष्ण का प्रेम प्रसंग की व्याख्या |
| September | 1 | बसंत व प्रेम प्रसंग की व्याख्या का विश्लेषण |
| | 2 | प्रेम प्रसंग की व्याख्या का विश्लेषण व सरहपाद का परिचय व भाषा शैली |
| | 3 | गोरखनाथ का परिचय व प्रवृत्तियां व विरह भाग की व्याख्या का विश्लेषण |
| | 4 | शेष बिरहा भाग की व्याख्या , अमीर खुसरो का परिचय, नंददास का परिचय |
| October | 1 | मीराबाई का परिचय व प्रवृत्तियां , मीराबाई की भक्ति भावना व प्रेम भावना का विश्लेषण |
| | 2 | कबीर का व्यक्तित्व व युग परिस्थितियों का विवेचन |
| | 3 | कबीर की भक्ति भावना निर्गुण का स्वरूप रहस्य भावना का विश्लेषण |
| | 4 | विद्रोह में समाज दर्शन का विश्लेषण और तुलसीदास का व्यक्तित्व युग परिस्थितियों का विवेचन |
| November | 1 | तुलसी की दार्शनिक चेतना, भक्ति भावना ,लोकमंगल की भावना का विश्लेषण |
| | 2 | कवि के रूप में कबीर ,निर्गुण काव्य धारा में कबीर का स्थान |
| | 3 | कबीर और तुलसी के राम में अंतर, राम राज्य की कल्पना, यथार्थ बोध |
| | 4 | रामचरितमानस, भारत चित्र, चित्रकूट का महत्व, प्रबंध कल्पना |
| December | 1 | कवितावली का काव्य , राम काव्यधारा में तुलसी का स्थान का विश्लेषण |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | जायसी ग्रंथावली में जायसी का परिचय वह पद्मावत का सार |
| | 3 | पद्मावत का नखशिख खंड नागमती वियोग खंड का विश्लेषण |
| | 4 | नागमती वियोग खंड का व्याख्यान, नागमती संदेश खंड की व्याख्या |
| February | 1 | नागमती संदेशखंड की सप्रसंग व्याख्या व विवेचन |
| | 2 | घनानंद कविता की एक से 20 व्याख्या, रविदास व रहीम का परिचय |
| | 3 | घनानंद कवि की 20 से 50 व्याख्या, केशव व भूषण का परिचय |
| | 4 | सूरदास का व्यक्तित्व युग परिस्थितियों का विवेचन, सूरदास की दार्शनिक चेतन भक्ति भावना |



| | | |
|-------|---|---|
| March | 1 | जायसी का नागमती वियोग खंड की शेष व्याख्या |
| | 2 | सूरदास का श्रृंगार वर्णन, वात्सल्य वर्णन का विश्लेषण |
| | 3 | कृष्ण और राधा का शील निरूपण , सौंदर्य बोध का विवेचन , प्रकृति वर्णन |
| | 4 | गीतात्मकता, कृष्ण काव्य धारा में सूरदास का स्थान का विश्लेषण |
| April | 1 | कृष्ण काव्यधारा में सूरदास की भाषा शैली, भ्रमरगीत परंपरा में सूर के भ्रमरगीत का स्थान |
| | 2 | घनानंद की व्याख्या व मूल्यांकन, गुरु गोविंद सिंह का परिचय |
| | 3 | केशव व भूषण के काव्य की भाषा शैली |
| | 4 | |
| May | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

शालू गर्ग
हस्ताक्षर



Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....सुदेश कुमारी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी द्वितीय वर्ष.....

Subject:.....कबीर दास पेपर -10 तृतीय एवं चतुर्थ सत्र.....

Session:.....2018-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|--|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| August | 1 | संत काव्य धारा के प्रमुख कवि कबीर दास का जीवन परिचय कबीर की सखियां |
| | 2 | संत काव्य परंपरा एवं प्रवृत्तियां कबीर का जीवन वृत्तांत |
| | 3 | कबीर के अध्ययन की आधार सामग्री कबीर का युग |
| | 4 | कबीर का व्यक्तित्व एवं कबीर की शिष्य परंपरा |
| September | 1 | कबीर ग्रंथावली का अध्ययन एवं विश्लेषण |
| | 2 | उत्तर भारत की संत परंपरा और कबीर का स्थान |
| | 3 | कबीर की अनुभूति के प्रेरणा स्रोत |
| | 4 | कबीर दास का प्रमाणिक साहित्य और प्रतिपाद्य विषय |
| October | 1 | कबीर के राम एवं कबीर दास का मान्यता बात |
| | 2 | कबीर दास की रमैणीकी व्याख्या |
| | 3 | संत काव्य धारा के प्रमुख कवि कबीर दास जी की सखियों का विवेचन |
| | 4 | संत काव्य धारा के प्रमुख कवि कबीर दास जी की सखियों की व्याख्या |
| November | 1 | कबीर दास जी की दार्शनिक विचारधारा |
| | 2 | कबीर दास की भक्ति भावना |
| | 3 | कबीर की रहस्य दर्शिता |
| | 4 | कबीर दास जी का सामाजिक चिंतन |
| December | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | |
| | 2 | संत काव्य धारा के प्रमुख कवि कबीर दास जी का प्रेम निरूपण |
| | 3 | संत काव्य धारा के प्रमुख कवि कबीर दास जी की सौंदर्य भावना |
| | 4 | कबीर का समन्वयवाद व कबीर का स्थान |
| February | 1 | कबीर की कविता का मानदंड और कबीर |
| | 2 | कबीर की रमैणी राज सुगो सतपति रमैणी की व्याख्या |
| | 3 | दुपदी व अष्टपदी रमैणी की व्याख्या |
| | 4 | कबीर दास का काव्य रूप चंद अलंकार का वर्णन |
| March | 1 | कबीर दास की प्रतीक योजना |
| | 2 | कबीर दास की रचना शैली |
| | 3 | उत्तर भारत में संत काव्य धारा के प्रमुख कवि का स्थान |



| | | |
|-------|---|--|
| | 4 | कबीर दास की प्रासंगिकता |
| April | 1 | कबीर दास के प्रमुख राग नाद बिंदु सहज निरंजन का वर्णन |
| | 2 | कविता का मानदंड और कबीर दास |
| | 3 | कबीर दास की उलटबांसियां का वर्णन |
| | 4 | कबीर का जीवन परिचय व साहित्य में उनका स्थान |
| May | 1 | कबीर की रमैणी सहज उनमनि अवस्था का वर्णन |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

हस्ताक्षर सुदेश बनवाला



Edit with WPS Office

Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor... कांता देवी.....

Class and Section: हिन्दी स्नाकोत्तर प्रथम वर्ष, प्रथम एवं द्वितीय सत्र.....

Subject आधुनिक हिन्दी कविता.....

Session:.....2018.-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|---|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय |
| | 4 | चिंता सर्ग की व्याख्या |
| August | 1 | श्रद्धा सर्ग की व्याख्या |
| | 2 | लज्जा सर्ग की व्याख्या |
| | 3 | निराला का जीवन परिचय , कुकरमुत्ता की व्याख्या |
| | 4 | सरोज स्मृति की व्याख्या |
| September | 1 | राम की शक्ति पूजा कविता की व्याख्या |
| | 2 | राम की शक्ति पूजा की व्याख्या , पंत का जीवन मूल्यांकन |
| | 3 | सुमित्रानंदन पंत का प्रकृति चित्रण , पंत के काव्य में कल्पना तत्व |
| | 4 | पंत के काव्य यात्रा के सोपान , पत की भाषा शैली |
| October | 1 | अयोध्या सिंह उपाध्याय का साहित्यिक परिचय, महादेवी वर्मा |
| | 2 | हरिवंश राय बच्चन का साहित्य, गिरिजा कुमार माधुर |
| | 3 | केदारनाथ अग्रवाल का साहित्यिक परिचय |
| | 4 | |
| November | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| December | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | मुक्ति बोध का साहित्यिक परिचय |
| | 2 | अंधेरे में कविता की व्याख्या |
| | 3 | उर्वशी की कथा वस्तु, महाकाव्य की दृष्टि से उर्वशी का महत्व |
| | 4 | उर्वशी का काव्य रूप, उर्वशी में कामाध्यात्म |
| February | 1 | दिनकर की सौन्दर्य चेतना, उर्वशी का संवाद कौशल |
| | 2 | तृतीय अंक की विशेषताएं |
| | 3 | अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता |
| | 4 | अज्ञेय की सामाजिकता |
| March | 1 | अज्ञेय की भाषा शैली |
| | 2 | रघुबीर सहाय |
| | 3 | धर्मवीर भारती |



| | | |
|-------|---|--------------------|
| | 4 | नरेश मेहता |
| April | 1 | दुष्यंत कुमार |
| | 2 | भवानी प्रसाद मिश्र |
| | 3 | |
| | 4 | |
| May | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

कान्ता देवी
हस्ताक्षर



Lesson Plan

Name of the Assistant/ Associate Professor.....कांता देवी.....

Class and Section:.....स्नातकोत्तर हिंदी द्वितीय वर्ष तृतीय एवं चतुर्थ

सत्र.....

Subject:.....काव्यशास्त्र एवं साहित्य

आलोचना.....

Session:.....2018-2021.....

| Month | Week | Topics |
|-----------|------|---|
| July | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | काव्य की परिभाषा ,काव्य हेतु ,काव्य प्रयोजन |
| | 4 | रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति , रस के अंग |
| August | 1 | साधारणीकरण एवं सहृदय, की अवधारणा |
| | 2 | अलंकार के मूल स्थापनाएं अलंकारों का वर्गीकरण |
| | 3 | रीति सिद्धांत की अवधारणा, काव्य के गुण |
| | 4 | रीति एवं शैली, वक्रोक्ति की अवधारणा |
| September | 1 | वक्रोक्ति के भेद |
| | 2 | अभिव्यंजनावाद से क्या अभिप्राय है |
| | 3 | ध्वनि काव्य का स्वरूप एवं भेद |
| | 4 | गुणीभूत व्यंग्य काव्य एवं चित्र काव्य का मूल्यांकन |
| October | 1 | उचित सिद्धांत की स्थापना |
| | 2 | औचित्य सिद्धांत के भेद , लक्षण काव्य परंपरा एवं कवि शिक्षा |
| | 3 | पद्माकर ,देव ,मती राम ,चिंतामणि ,भिखारी दास कुलपति मिश्र |
| | 4 | काव्य शास्त्रीय आलोचना एवं समीक्षा |
| November | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| December | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| January | 1 | प्लेटो का काव्य सिद्धांत अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत , त्रासदी सिद्धांत |
| | 2 | विरेचन सिद्धांत, लॉजाइन्स की अवधारणा |
| | 3 | झायडेन का काव्य सिद्धांत, वर्ड्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धांत |
| | 4 | मैथ्यू आर्नोल्ड का आलोचनात्मक सिद्धांत, ट्स इलियट का निर्वैतिकतावाद |

| | | |
|----------|---|--------------------------------|
| February | 1 | आई ए रिचर्डससंवेगों का संतुलन, |
| | 2 | अभिव्यंजनावाद फ्राइडवाद |
| | 3 | मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद |
| | 4 | स्वच्छंदतावाद, शैली विज्ञान |
| March | 1 | विखंडन वाद, उत्तर आधुनिकतावाद |
| | 2 | संरचनावाद |
| | 3 | |
| | 4 | |
| April | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |
| May | 1 | |
| | 2 | |
| | 3 | |
| | 4 | |

Signature

कांता देवी